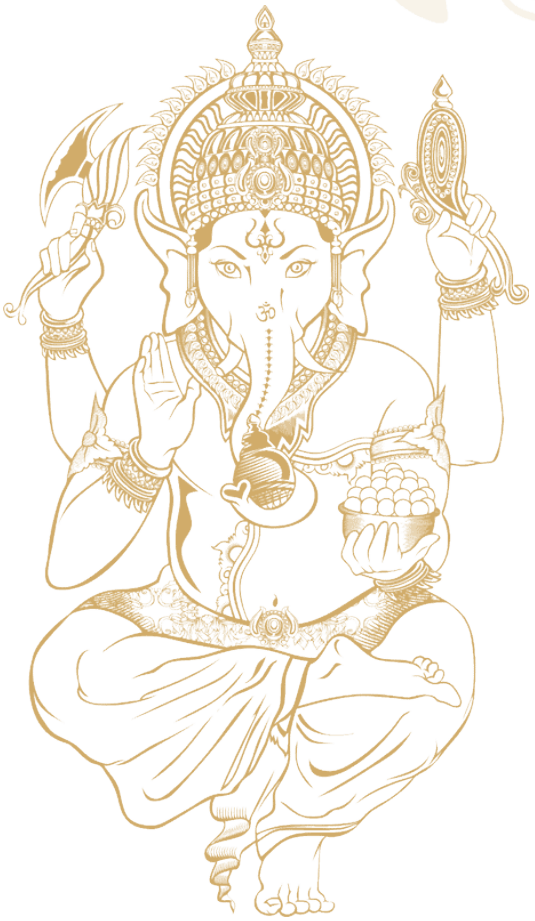

13 Apr 1953

10:45 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121471606

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
13/04/1953	जन्म तिथि	**14/04/2025**
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:45:00	जन्म समय	09:50:21 घंटे
घटी 42:00:51	जन्म समय(घटी)	09:48:42 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:39	सूर्योदय	05:54:52
18:47:50	सूर्यास्त	18:48:52
23:12:29	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:37

वृश्चिक	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	तुला
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
रेवती	नक्षत्र	स्वाति
बुध	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	2
वैधृति	योग	वज्र
नाग	करण	तैतिल
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मृग
73	गत/तत्कालिक वर्ष	74

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	2	21:08:29	वृश्चि			लग्न			मिथु	05:48:10	4	मृगशिरा
अश्विनी	1	00:15:53	मेष			सूर्य			मेष	00:15:53	1	अश्विनी
रेवती	4	28:35:07	मीन			चंद्र			तुला	12:54:21	2	स्वाति
भरणी	4	24:25:19	मेष			मंगल			कर्क	04:10:28	1	पुष्य
पू०भाद्रपद	4	02:48:56	मीन			बुध			मीन	04:30:51	1	उ०भाद्रपद
कृतिका	2	00:53:52	वृष			गुरु			वृष	23:58:02	1	मृगशिरा
रेवती	4	29:39:39	मीन	व	अ	शुक्र			मीन	00:26:25	4	पू०भाद्रपद
चित्रा	3	00:48:01	तुला	व		शनि			मीन	01:49:22	4	पू०भाद्रपद
श्रवण	2	16:09:19	मक	व		राहु	व		मीन	03:03:13	4	पू०भाद्रपद
पुष्य	4	16:09:19	कर्क	व		केतु	व		कन्या	03:03:13	2	उ०फाल्गुनी
पुनर्वसु	1	21:26:16	मिथु			मु			धनु	21:08:29	3	पूर्वाषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:37

लग्न-चलित

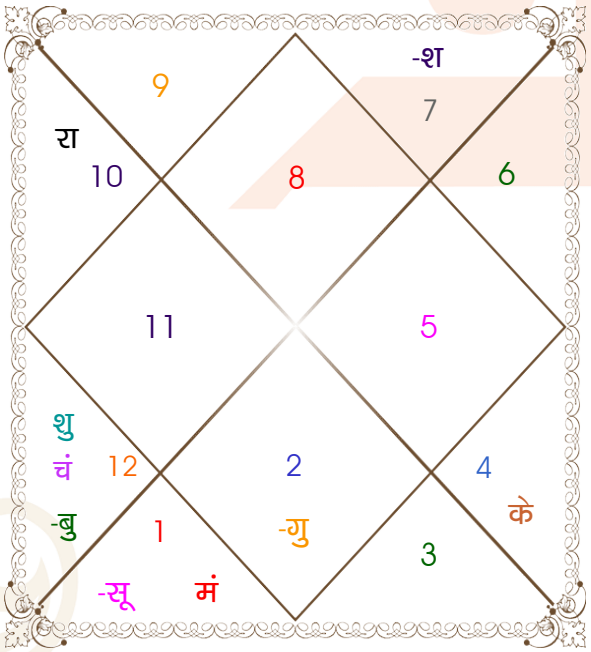

वर्ष लग्न कुंडली

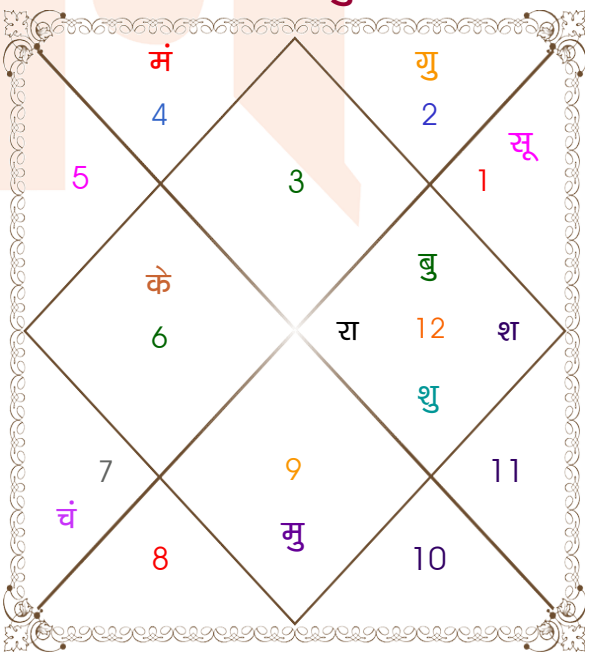

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - शुक्र		गुरु - शनि - सूर्य		गुरु - शनि - चंद्र		गुरु - शनि - मंगल	
16/02/2026 12:56		20/07/2026 18:08		05/09/2026 00:30		21/11/2026 03:06	
20/07/2026 18:08		05/09/2026 00:30		21/11/2026 03:06		14/01/2027 02:31	
शुक्र	14/03/2026 05:48	सूर्य	23/07/2026 01:39	चंद्र	11/09/2026 10:43	मंगल	24/11/2026 06:40
सूर्य	21/03/2026 22:52	चंद्र	26/07/2026 22:11	मंगल	15/09/2026 22:40	राहु	02/12/2026 08:59
चंद्र	03/04/2026 19:18	मंगल	29/07/2026 14:57	राहु	27/09/2026 12:15	गुरु	09/12/2026 13:42
मंगल	12/04/2026 19:12	राहु	05/08/2026 13:31	गुरु	07/10/2026 19:00	शनि	18/12/2026 02:49
राहु	05/05/2026 22:23	गुरु	11/08/2026 17:34	शनि	20/10/2026 00:01	बुध	25/12/2026 18:20
गुरु	26/05/2026 11:53	शनि	19/08/2026 01:22	बुध	30/10/2026 22:11	केतु	28/12/2026 21:54
शनि	19/06/2026 21:54	बुध	25/08/2026 14:40	केतु	04/11/2026 10:08	शुक्र	06/01/2027 21:48
बुध	11/07/2026 18:14	केतु	28/08/2026 07:26	शुक्र	17/11/2026 06:34	सूर्य	09/01/2027 14:34
केतु	20/07/2026 18:08	शुक्र	05/09/2026 00:30	सूर्य	21/11/2026 03:06	चंद्र	14/01/2027 02:31

गुरु - शनि - राहु		गुरु - शनि - गुरु		गुरु - बुध - बुध		गुरु - बुध - केतु	
14/01/2027 02:31		01/06/2027 21:36		03/10/2027 06:34		28/01/2028 13:25	
01/06/2027 21:36		03/10/2027 06:34		28/01/2028 13:25		16/03/2028 20:29	
राहु	03/02/2027 22:11	गुरु	18/06/2027 08:24	बुध	19/10/2027 21:20	केतु	31/01/2028 09:02
गुरु	22/02/2027 10:19	शनि	07/07/2027 21:13	केतु	26/10/2027 17:32	शुक्र	08/02/2028 10:12
शनि	16/03/2027 09:45	बुध	25/07/2027 08:41	शुक्र	15/11/2027 06:40	सूर्य	10/02/2028 20:10
बुध	05/04/2027 01:39	केतु	01/08/2027 13:24	सूर्य	21/11/2027 03:25	चंद्र	14/02/2028 20:45
केतु	13/04/2027 03:58	शुक्र	22/08/2027 02:54	चंद्र	30/11/2027 21:59	मंगल	17/02/2028 16:22
शुक्र	06/05/2027 07:08	सूर्य	28/08/2027 06:57	मंगल	07/12/2027 18:11	राहु	24/02/2028 22:13
सूर्य	13/05/2027 05:42	चंद्र	07/09/2027 13:42	राहु	25/12/2027 08:25	गुरु	02/03/2028 08:46
चंद्र	24/05/2027 19:17	मंगल	14/09/2027 18:25	गुरु	09/01/2028 23:44	शनि	10/03/2028 00:17
मंगल	01/06/2027 21:36	राहु	03/10/2027 06:34	शनि	28/01/2028 13:25	बुध	16/03/2028 20:29

गुरु - बुध - शुक्र		गुरु - बुध - सूर्य		गुरु - बुध - चंद्र		गुरु - बुध - मंगल	
16/03/2028 20:29		01/08/2028 20:05		12/09/2028 05:34		20/11/2028 05:22	
01/08/2028 20:05		12/09/2028 05:34		20/11/2028 05:22		07/01/2029 12:25	
शुक्र	08/04/2028 20:25	सूर्य	03/08/2028 21:45	चंद्र	17/09/2028 23:33	मंगल	23/11/2028 00:58
सूर्य	15/04/2028 18:00	चंद्र	07/08/2028 08:33	मंगल	22/09/2028 00:08	राहु	30/11/2028 06:50
चंद्र	27/04/2028 05:58	मंगल	09/08/2028 18:30	राहु	02/10/2028 08:30	गुरु	06/12/2028 17:22
मंगल	05/05/2028 07:08	राहु	15/08/2028 23:31	गुरु	11/10/2028 13:16	शनि	14/12/2028 08:53
राहु	25/05/2028 23:53	गुरु	21/08/2028 11:59	शनि	22/10/2028 11:27	बुध	21/12/2028 05:05
गुरु	13/06/2028 09:25	शनि	28/08/2028 01:17	बुध	01/11/2028 06:01	केतु	24/12/2028 00:42
शनि	05/07/2028 05:46	बुध	02/09/2028 22:02	केतु	05/11/2028 06:36	शुक्र	01/01/2029 01:53
बुध	24/07/2028 18:54	केतु	05/09/2028 07:59	शुक्र	16/11/2028 18:34	सूर्य	03/01/2029 11:50
केतु	01/08/2028 20:05	शुक्र	12/09/2028 05:34	सूर्य	20/11/2028 05:22	चंद्र	07/01/2029 12:25

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।